तृणमूल ने कांग्रेस से भी ज्यादा ''इलैक्टोरल बॉण्ड'' कैसे ''अर्जित'' किए?

यह तथ्य उल्लेखनीय इसलिए है, क्योंकि, तृणमूल केवल एक क्षेत्रीय पार्टी है और केवल एक ही राज्य में सरकार है, जबकि, कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर की पार्टी है तथा लगभग छः दशकों तक सत्ता में रही है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 मार्च। तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल में बड़े स्तर पर जो वसूली रैकेट चला रखा है, वो इलैक्टोरल बॉण्ड के प्रकाशन के साथ उजागर हो गया है। तृणमूल को बंगाल की कम्पनियां द्वारा खरीदे गए इलैक्टोरल बॉण्ड्स से करीब 16 सौ करोड़ रूपयों का चंदा मिला।

यह धन मध्यम आकार की कम्पनियों द्वारा गलाकाट प्रतिस्पर्धा से कमाए जाने वाले धन से अधिक है। तृणमूल कांग्रेस अपनी जेबें भरने के लिये भारतीय उद्योग को निचोड़ने में कैसे समर्थ है।

तृणमूल कांग्रेस ने धन वसूली की कला में महारथ हासिल कर रखी है। उसका एक बड़ा नैटवर्क है, जो प्रसिद्ध से लेकर सामान्य जन से धन वसूलता है। ममता बनर्जी सरकार के कम से कम तीन मंत्री पहले ही जेल में बंद हैं। ये मंत्री हजारों करोड़ का धन हड़प चुके हैं।

अब इलैक्टोरल बॉण्ड्स के खरीददारों की सूची के प्रकाशन और उनके द्वारा दिए गए चंदे ने बंगाल के स्थानीय गुण्डों को मिले बम्पर धन का लिंक दर्शा दिया है।

- **चर्चाओं के अनुसार, यह संभव इसलिए हो पाया, क्योंकि, तृणमूल ने अपने शासनकाल में एक बड़ा और संगठित सिस्टम विकसित कर लिया है, अपने कार्यकर्ताओं और प्रशासन की मदद से, स्थानीय उद्योगपतियों और जनता से वसूली करने के लिए।**
- **चाहे कई दशकों से बंगाल में कोई पूँजी निवेश नहीं हुआ और ना ही नए उद्योग लगे हैं, पर, कुछ स्थानीय कम्पनियों, जैसे, संजीव गोयका समूह, को कोलकाता व आस-पास के क्षेत्रों में बिजली वितरण का एकाधिकार देकर, लगातार भारी वसूली होती है। ऐसा ही एकाधिकार का मामला दूध बेचने वाली जानी मानी कम्पनी कैवन्डर्स का है।**
- **तृणमूल के स्थानीय बाहूबली व मंत्रीगण इस वसूली उद्योग के सजग व उत्साही ''पार्टिसिपैंट'' हैं, अतः भारी रकम के इलैक्टोरल बॉण्ड तृणमूल कांग्रेस को मिलना कोई आश्चर्य की बात नहीं।**

बंगाल में, पिछले ग्यारह वर्षों में ऐसा कोई महत्वपूर्ण निवेश नहीं हुआ है, जिससे की राज्य में नई नौकरियों का सृजन हुआ हो। इस कारण बंगाल से बाहर जाने वाले प्रवासी मजदूरों की संख्या में जबरदस्त उछाल आ गया। कोविड महामारी के दौरान, इस त्रासदी का पैमाना सबके सामने था, जब बहुत सारे प्रवासी मजदूर अचानक से अपने घर लौट रहे थे।

इन छोटी-मोटी त्रासदियों ने यद्यपि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाया। वह तो बंगाल में उद्योगों से धन इकट्ठा करने के होड़ पर लग गयी, जो भी बचा-खुचा था।

तृणमूल कांग्रेस एक छोटी क्षेत्रीय पाटी है, जो कि एक राज्य में सत्ता में है। इसका बंगाल के बाहर कोई नामोनिशान नहीं है। पार्टी की जबरन वसूली प्रथाओं पर इस बात का कोई फर्क नहीं पड़ता है। इसने तो कांग्रेस जो कि एक राष्ट्रीय पार्टी है और जो छः दशकों तक सत्ता में रही है, को बहुत पीछे छोड़ दिया है।

कलकत्ता इलैक्ट्रिक सप्लाई कॉरपोरेशन (सी.ई.एस.सी.) और संजीव गोयनका ग्रुप ने बहुत बड़ा योगदान दिया है, जो कि सबसे बड़े योगदानों में से एक है। इसमें कोई अपवाद नहीं है क्योंकि सरकार ने शहर और आसपास के क्षेत्रों में विद्युत वितरण के लिए इन्हें एकाधिकार दिया है। सी.ई.एस.सी. ग्रुप के लिए दूध देती गाय है इसलिए वह ''नजराने'' के तौर पर एक छोटी राशि देने में बुरा नहीं मानेगी।

इसी तरह से, केवेंटर्स, जो कि दूध और दूध उत्पादों के लिए एक घरेलू नाम है, ने बड़े दानदाताओं के लगभग बराबर राशि का अंशदान दिया है। लेकिन सबसे खास बात है कि, आई.टी.सी. ने बहुत ही मामूली चंदा दिया है।

कई दूसरी कम्पनियों ने चुनावी बॉण्ड्स खरीदे हैं, स्पष्ट है कि इनके पास कोई चारा नहीं था।

दत्तात्रेय होसबाले पुनः संघ के सरकार्यवाह चुने गये

नागपुर 17 मार्च (वार्ता)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने रविवार को दत्तात्रेय होसबाले को पुनः तीन वर्ष के लिए सरकार्यवाह चुन लिया।

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के तीन दिन के अधिवेशन के समापन दिवस के पूर्वाह्न के सत्र में वर्ष 2024-27 के सरकार्यवाह के दायित्व के लिए होसबाले पुनः निर्वाचित हुए। होसबाले वर्ष 2021 में पहली बार सरकार्यवाह निर्वाचित हुए थे और तब से इस दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं।

अपराह्न में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि, होसबाले को सर्वानुमति से पुनः तीन वर्ष के लिए सरकार्यवाह के दायित्व के लिए चुना गया है। होसबाले ने कहा कि, पिछली बार उन्हें बेंगलुरु में सरकार्यवाह का दायित्व दिया गया था। उनके मन में नागपुर में ही यह गुरुत्तर दायित्व लेने की इच्छा थी। पर कोविड के कारण प्रतिनिधि सभा की बैठक नागपुर की जगह बेंगलुरु में आयोजित की गयी थी। लेकिन इस बार यह इच्छा भी पूरी हो गयी है।

- **राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने दत्तात्रेय होसबाले को पुनः तीन वर्ष के लिए सरकार्यवाह चुन लिया।**

कर्नाटक में कांग्रेस को उम्मीदवार ढूंढ़ने में छूट रहे हैं पसीने

बैंगुलुरु, 17 मार्च। लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है लेकिन, कांग्रेस पार्टी की मुश्किल कम होने का नाम नहीं ले रही है। दक्षिण में अपने मजबूत गढ़ कर्नाटक राज्य में कांग्रेस को लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार ढूंढने में पसीना बहाना पड़ रहा है। आलम यह है कि, पार्टी के दिग्गज चुनाव में उतरने से कतरा रहे हैं। राज्य में दो फेज के तहत 26 अप्रैल और 13 मई को मतदान होना है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि, कांग्रेस ने अपनी पहली सूची में किसी भी मंत्री या विधायक को उम्मीदवार नहीं बनाया। इसके पीछे की वजह यह सामने आई है कि, वे चुनाव लड़ने में अनिच्छा जता रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस के लिए यहां जीतने योग्य उम्मीदवारों की तलाश करना मुश्किल दिखाई दे रहा है।

- **पार्टी 7 से 8 मंत्रियों को चुनाव में उतारना चाहती है लेकिन एक भी मंत्री इसके लिए तैयार नहीं है।**

इससे पहले शनिवार को चुनाव आयोग ने सात चरणों के मतदान का ऐलान किया। 19 अप्रैल को पहला मतदान होगा और 1 जून को आखिरी मतदान होना है। 4 जून को मतगणना होगी। चुनाव के ऐलान के साथ ही सभी दल जुट गए हैं। कर्नाटक में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बड़ी जीत के साथ यहां सरकार बनाई है। दक्षिण में कर्नाटक कांग्रेस के मजबूत गढ़ के रूप में उभरकर सामने आया है। हालांकि लोकसभा चुनाव में पार्टी को अपने उम्मीदवार ढूंढने में पसीने छूट रहे हैं।

कांग्रेस को कर्नाटक में सात सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा किए 10 दिन बीत गए हैं लेकिन बाकी की 21 सीटों पर प्रत्याशियों की सूची को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। कांग्रेस ने आठ मार्च को जारी अपनी पहली सूची में किसी भी मंत्री तथा विधायक को उम्मीदवार नहीं बनाया था। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व कुछ मंत्रियों और विधायकों को चुनाव लड़ने के लिए मनाने की कोशिश कर रहा है क्योंकि उन्हें कई निर्वाचन क्षेत्रों में जीतने योग्य उम्मीदवारों को चुनने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने हाल में कहा था कि, पार्टी में सात से आठ मंत्रियों को प्रत्याशी बनाने पर चर्चा की जा रही है। कुछ मंत्री खुद चुनाव लड़ने के बजाय अपने परिवार के सदस्यों को चुनाव लड़ाने पर जोर दे रहे हैं और सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व उनके परिजनों को प्रत्याशी बनाने से जनता के बीच जाने वाले गलत संदेश को लेकर चिंतित दिखायी दे रहा है।

कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि, पार्टी को 2019 के लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था जबकि वह राज्य में जनता दल (सेक्यूलर) के साथ गठबंधन में सत्ता में थी। इसे देखते हुए कई वरिष्ठ नेता लोकसभा चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की संभावनाएं अब भी आशाजनक नहीं दिख रही हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में एम मल्लिकार्जुन खरगे, वीरप्पा मोइली और मुनियप्पा समेत कई शीर्ष नेताओं को हार का सामना करना पड़ा था।

'मोदी राजा की आत्मा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से रोकर कहते हैं कि, मुझे शर्म आ रही है कि, इस शक्ति से लड़ने की हिम्मत नहीं है, मैं जेल नहीं जाना चाहता। ऐसे हजारों लोग डराए गए हैं।

बता दें कि, राहुल गांधी ने अपनी न्याय यात्रा मणिपुर से शुरू की थी। मणिपुर को लेकर राहुल गांधी ने कहा कि, मणिपुर में इसी शक्ति ने सिविल वॉर का माहौल बना रखा है। मैंने सोचा कि, यात्रा वहीं से शुरू होगी और धारावी में खत्म होगी, मुंबई टैलेंट का केंद्र है। यही शक्ति एकसाथ लोगों को बर्बाद करने में लगी है।

राहुल गांधी ने कहा कि, चीन में एक शेनझेन है। धारावी, शेनझेन का मुकाबला कर सकता है, बस उनके लिए बैंक के दरवाजे तो खोलिए। यहां 22 लोगों के पास उतना ही धन है, जितना हिंदुस्तान के 70 करोड़ लोगों के पास है।

राहुल ने भारत के काम करने के सिस्टम के बारे में कहा कि, भारत में एक इंटरनैशनल एयरपोर्ट खुलवाने के लिए साल लग जाते हैं। यहां एक शादी के लिए 10 दिन में इंटरनैशनल एयरपोर्ट खुल जाता है। खोलिए, मगर अन्य प्रदेशों में भी तो एयरपोर्ट खोलिए।

गौरतलब है कि, हाल ही में जामनगर में रिलायंस के प्रमुख मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी का राधिका मर्चेंट के साथ प्री वेडिंग समारोह हुआ था, जिसके चलते जामनगर में 100 से ज्यादा फ्लाइट्स लैंड और टेकऑफ हुई थीं।

बता दें कि, शिवाजी पार्क में हो रही रैली में राहुल के अलावा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, आर.जे.डी. समाजवादी पार्टी, शिवसेना (यू.बी.टी.), एन.सी.पी. (शरद गुट), आम आदमी पार्टी सहित इंडिया गठबंधन की अन्य पार्टियों के नेता मौजूद हैं। इस रैली को विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है।

- **राहुल गांधी ने कहा कि, मैंने कभी यह सोचा भी नहीं था कि, मुझे 4 हजार किलोमीटर से भी ज्यादा की पैदल यात्रा करनी पड़ेगी। लेकिन देश के ध्यान को पकड़ने, देश का और करीब से समझने के लिए मैंने यह यात्रा की है।**

मु.मंत्री भजनलाल शर्मा के निवास पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के एक होने के बाद कांग्रेस की परेशानियां बढ़ सकती हैं।

चित्तौड़गढ़ सांसद व प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी और विधायक चंद्रभान सिंह आक्या में कई साल से मनमुटाव था। दोनों पार्टी के लिए काम कर रहे थे। विधानसभा चुनाव में चित्तौड़गढ़ सीट से टिकट काटे जाने के बाद आक्या ने बगावत कर दी थी। टिकट काटने का आरोप सी.पी. जोशी पर लगाया था। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने निर्दलीय चुनाव लड़ा था और जीते थे। आक्या के सामने भाजपा प्रत्याशी नरपत सिंह राजवी की जमानत जब्त हो गई थी।

गौरतलब है कि, करीब एक सप्ताह पहले केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़ के बीच भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सुलह कराने की कोशिश की थी। मुख्यमंत्री शर्मा की मौजूदगी में हुई इस बातचीत के बाद किसी तरह का बयान सामने नहीं आया है। हालांकि, मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद शेखावत और राठौड़ ने साथ फोटो खिंचवाए। इन फोटो को सार्वजनिक किया गया है। दोनों नेताओं के बीच लंबे समय से खींचतान रही है।

मुंबई में राहुल गांधी की रैली से नदारद रहे अखिलेश

मुंबई, 17 मार्च। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन पर मुंबई में कार्यक्रम आयोजित हुआ है। इस मौके पर विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के कई नेता शामिल हुए हैं। हालांकि, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव इस कार्यक्रम से नदारद रहे। इसे लेकर कई सारे सवाल उठने लगे, जिस पर अब सपा की ओर से सफाई दी गई है। अखिलेश यादव ने मुंबई की मेगा रैली में शामिल नहीं होने को लेकर एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया, चुनाव आयोग ने 20 मार्च से यूपी में नामांकन की तारीखों की घोषणा की है।

इस वजह से मैं भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाया। सपा प्रमुख ने पत्र में कहा आज मुंबई में आपकी (राहुल की) भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समापन हो रहा है। बहुत कम लोग हैं, जो ऐसी यात्रा कर सकते हैं। आपके इस दृढ़ संकल्प के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आपने इस यात्रा की मणिपुर से शुरुआत की, जो भाजपा सरकार की नाकामी के कारण जल रहा है। पूर्वोत्तर से आपने तानाशाह सरकार के विरुद्ध मजबूत संदेश दिया। पूरी यात्रा के दौरान आपकी किसान, नौजवान, महिला, बुजुर्ग समेत समाज के हर वर्ग से मुलाकात हुई और आप उनकी समस्याओं से नजदीक से रूबरू हुए।

मुस्लिम संगठनों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

26 अप्रैल को केरल और तमिलनाडु में मतदान कराये जाने के बारे में आपत्तियां और चिंताएं जतायी। उन्होंने कहा कि,

- **इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और समस्त केरल सुन्नी स्टूडेंट्स फेडरेशन ने केरल में 26 अप्रैल को जुमे के दिन मतदान की तारीख घोषित करने के फैसले की निंदा की है।**

इससे मुस्लिम समुदाय से संबंधित मतदान अधिकारियों, मतदाताओं या बूथ एजेंटों सहित सामूहिक नमाज (प्रार्थना) अदा करने वाले सभी लोगों को असुविधा होगी।

डी.एम.के. ने भगवान राम के जवाब में स्थानीय देवता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महा-जनसम्पर्क अभियान (वेल यात्राओं) के अन्तर्गत भगवान मुरूगन पर फोकस किया था। यहाँ धार्मिक भावनाओं के आधार पर राजनीतिक माहौल को गर्माने का भी प्रयास था।

और अब तमिलनाडू सरकार भगवान मुरूगन के लिए एक वैश्विक उत्सव मनाने की योजना बना रही है। शायद यह आयोजन राज्य में बने राम मंदिर के माहौल का एक पलटवार है। स्पष्ट रूप से भाजपा अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के समारोहों के साथ जनता से अपने जुड़ाव में बाजी मारती रही है और इसे लेकर लोगों में वैचारिक समरूपता भी रही है।

सरकार के सूत्र कहते हैं कि भगवान मुरूगन के समारोहों एवं उत्सवों में दुनियाभर से लोग आमंत्रित किए जाएंगे। कार्यक्रमों के दौरान सम्मेलन और कार्यशालाओं के अलावा रिसर्च पेपर्स के वाचन होंगे। तमिलनाडू सरकार के इस कदम का भाजपा ने विद्रोह किया है। एक राजनैतिक विशेषज्ञ ने कहा कि इसका अर्थ है कि सरकार का तीर निशाने पर लगा है।

अब यह पूर्ण रूप से सुनिश्चित है कि यह चतुराई भरा कदम राम मंदिर की काट के तौर पर उठाया गया है। राजनीति विश्लेषकों का यह मानना और कहना है कि राम मंदिर के मुद्दे से भाजपा के वोटों में किसी प्रकार की भारी बढ़ोतरी नहीं होगी। परन्तु तमिलनाडू सरकार के इस महत्वपूर्ण कदम से प्रदेश में स्पष्ट रूप से बहस व चर्चाएं जरूर शुरु हो जाएंगी।

- **तमिलनाडू सरकार ने भगवान मुरुगन पर एक अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रैंस व अन्य कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की, आगामी जून-जुलाई में। सरकार के अनुसार विश्व भर से इन आयोजनों के लिए श्रद्धालुओं व विचारकों को आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर कॉन्फ्रैंस व वर्कशॉप होंगी, जिनमें रिसर्च पेपर भी पढ़े जाएंगे।**
- **तमिलनाडू सरकार ने बजट में तिरुचेन्दूर मुरुगन मंदिर को भव्य बनाने के लिए 300 करोड़ रूपए का प्रावधान किया है तथा मास्टर प्लान भी तैयार करवाया है। इसी प्रकार पलानी मुरुगन मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए 100 करोड़ रूपए आवंटित किए हैं।**
- **भाजपा ने तमिलनाडू डी.एम.के. की सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''अब तक तो डी.एम.के. पार्टी ईश्वर में विश्वास नहीं करने के सिद्धांत का ढिंढोरा पीटती थी, पर, भाजपा के सोच व चिंतन को ''कॉपी'' करके, भगवान मुरुगन का इस्तेमाल कर रही है।**

भाजपा ने पहले ही तमिलनाडू सरकार के इस कदम पर सवाल उठाना प्रारम्भ कर दिया है और इस पहल की यह कहते हुए आलोचना की है कि द्रमुक पहले भगवान में विश्वास नहीं करती थी।

भाजपा प्रदेश सचिव आर. श्रीनिवासन ने कटाक्ष करते हुए कहा कि अब द्रमुक हमारी विचारधारा की नकल कर रही है।

तमिलनाडू प्रदेश हिन्दू धर्म व धर्मार्थ संस्थानों के मंत्री, पी.के. शेखर बाबू ने सरकार के इस कदम का बचाव करते हुए कहा कि उनकी सरकार भगवान मुरूगन पर व्यय करती रही है। शेखर बाबू ने यह भी स्पष्ट किया कि ''हमने प्रदेश के मास्टर प्लान में तिरूचेन्दुर मुरूगन मंदिर का जीर्णोद्धार करने के लिए 300 करोड़ रूपये आवंटित किया है तथा इसके साथ ही पलानी मुरूगन मंदिर का जीर्णोद्धार करने के लिए भी 100 करोड़ रूपये का फंड आवंटित किया है।''

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908